अग्निकांड | आग में झुलसी महिला को जिला चिकित्सालय में किया गया भर्ती, तीन मवेशियों की मौत, लाखों का सामान जला

ट्रांसफॉर्मर की चिंगारी से भड़की आग, 3 मकान जलकर खाक

अनूपपुर, नवभारत 29 अप्रैल। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के जैतहरी विकासखंड अंतर्गत ग्राम कोड़ा में बुधवार दोपहर बिजली ट्रांसफॉर्मर से निकली चिंगारी ने बड़ा हादसे का रूप ले लिया। आग की चपेट में आकर तीन घर जलकर खाक हो गए, जबकि तीन मवेशियों की दर्दनाक मौत हो गई। मवेशियों को बचाने के प्रयास में 51 वर्षीय महिला गंभीर रूप से झुलस गई, जिन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार बुधवार दोपहर घर के सभी सदस्य खेती के काम से बाहर गए हुए थे। घर से लगभग 20 मीटर दूरी पर लगे ट्रांसफॉर्मर से अचानक चिंगारी निकली, जो पास स्थित एक कच्चे मकान की छत पर रखी सूखी मोटी पल्ली पर जा गिरी। तेज गर्मी के कारण चिंगारी ने कुछ ही देर में आग का विकराल रूप ले लिया।

महिला के साहस ने कुछ मवेशियों की जान बचाई

आग की लपटें उठती देख दीनवती यादव (51) मवेशियों को बचाने के लिए गौशाला की ओर दौड़ीं, जहां 8 से 10 मवेशी बंधे हुए थे। उन्होंने तत्परता दिखाते हुए कुछ मवेशियों की रस्सियां खोल

दीं, जिससे वे सुरक्षित बाहर निकल गए, लेकिन एक भैंस, एक गाय और एक बछड़ा आग की चपेट में आ गए और जलकर उनकी मौत हो गई।

दीनवती के घर का पूरा सामान जलकर राख हो गया

इस अग्निकांड में दीनवती यादव के घर का पूरा घरेलू सामान जलकर राख हो गया। वहीं, मुन्नीलाल यादव और भाई यादव के मकान भी पूरी तरह जल गए। घटना से पीड़ित परिवारों को लाखों रुपए के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। नगर परिषद जैतहरी से पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल राजस्व विभाग द्वारा मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

आग बहुत तेजी से फैली

मवेशियों को बचाने के दौरान दीनवती यादव के दोनों हाथ बुरी तरह झुलस गए। आग इतनी तेजी से फैली कि जब तक ग्रामीण पानी की व्यवस्था कर आग बुझाने और फायर ब्रिगेड को सूचना देने का प्रयास करते, तब तक आग ने आसपास के तीन घरों को अपनी चपेट में ले लिया।

सोलर पैनल मैकेनिक का फंदे पर झूलता मिला शव

वार्ड क्रमांक 6 की घटना, जांच में जुटी पुलिस, मृतक रीवा जिले का निवासी था

कोतमा नवभारत 29 अप्रैल। नगर के वार्ड क्रमांक 6 में बुधवार की सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब एक 27 वर्षीय युवक का शव उसके कमरे में फंदे से लटका हुआ पाया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

मृतक की पहचान आशीष सिंह बघेल के रूप में हुई है। आशीष मूल रूप से रीवा जिले का निवासी था और मार्च 2026 से कोतमा के वार्ड 6 स्थित बसंत तिवारी के बाड़े में किराए से रह रहा था। वह नगर में सोलर पैनल इंस्टालेशन (स्थापना) का कार्य करता था।

ऐसे चला घटना का पता

बताया जा रहा है कि आशीष ने मंगलवार की रात करीब 12 बजे खाना खाया था और बुधवार सुबह भी उसकी किसी से फोन पर बातचीत हुई थी। घटना का खुलासा तब हुआ जब सुबह काम पर जाने के लिए साथियों ने आशीष को फोन किया, लेकिन उसने कॉल रिसीव नहीं किया। सुबह करीब 10:30 बजे, मकान मालिक का पुत्र आकाश तिवारी उसे बुलाने गया। काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बाद भी जब कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो खिड़की से झांककर देखा तो कमरे के अंदर आशीष का शव लोहे की पाइप के सहारे फंदे से झूल रहा था।

कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ

आकाश तिवारी की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। चूंकि दरवाजा अंदर से बंद था, इसलिए मृतक के परिजन प्रवेश सिंह (रिश्तेदार) और मकान मालिक की मौजूदगी में खिड़की तोड़कर कुंडी खोली गई। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

डीजे संचालक का शव कुएं में मिला

▶ चार दिनों से था लापता, घर जाने की बात कहकर शादी समारोह से निकला था

अनूपपुर, नवभारत 29 अप्रैल। जिले के करनपठार थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पडरीखार में 4 दिनों से लापता 19 वर्षीय डीजे संचालक का शव मंगलवार को गांव के एक कुएं में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान पडरीखार निवासी हेमंत कुमार सिंह के रूप में हुई है, जो 25 अप्रैल से लापता था।

पुलिस ने बुधवार को पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया। परिजनों के अनुसार हेमंत 25 अप्रैल को एक शादी समारोह में डीजे बजाने गया था। रात में उसने सड़क किनारे बने अपने दूसरे घर में सोने की बात कहकर समारोह से

निकलने की जानकारी दी थी, लेकिन इसके बाद वह वापस नहीं लौटा।

नहाने गईं किशोरियों ने दी जानकारी

26 अप्रैल की सुबह से उसके लापता होने पर परिवार ने शुरुआत में यह समझा कि वह डीजे के काम से आसपास के गांव गया होगा। घटना का खुलासा तब हुआ जब 28 अप्रैल को जिस घर में हेमंत ने डीजे बजाया था, उसी घर की कुछ किशोरियां सड़क से लगभग 100 मीटर दूर स्थित कुएं पर नहाने गईं। वहां उन्होंने कुएं में एक शव तैरता देखा। ग्रामीण बहादुर सिंह ने इसकी सूचना मंगलवार शाम करनपठार थाना पुलिस को दी।

किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं मिले

सूचना मिलते ही पुलिस रात करीब 10 बजे गांव पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकालकर बेनीबारी स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। शव की हालत काफी खराब हो चुकी थी और वह बुरी तरह सूज गया था। थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार बड़करे ने बताया कि शव पर किसी प्रकार के स्पष्ट चोट के निशान नहीं मिले हैं। फिलहाल पुलिस मौत के कारणों की जांच कर रही है।

अनूपपुर में अब तक 516 क्विंटल गेहूं की हुई खरीदी

अनूपपुर, नवभारत। रबी उपार्जन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले में किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी 15 अप्रैल से जारी है। अब तक जिले के 6 उपार्जन केंद्रों पर किसानों से कुल 516 क्विंटल गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है। उपार्जन प्रक्रिया को पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए स्लॉट बुकिंग की व्यवस्था की गई है। जिले में 1367 किसानों ने गेहूं विक्रय हेतु पंजीयन कराया है, जिनमें से 179 किसान अब तक स्लॉट बुकिंग की प्रक्रिया पूर्ण कर चुके हैं। गौरतलब है कि शासन द्वारा गेहूं का समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, जिस पर मध्यप्रदेश सरकार द्वारा 40 रुपये का अतिरिक्त बोनस प्रदान किया जा रहा है। इस प्रकार किसानों से कुल 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं की खरीदी की जा रही है।

तुलसी कॉलेज में राहगीरों के लिए खोला गया नि :शुल्क प्याऊ

पक्षियों के लिये लगाये गये सकारे, एनएसएस स्वयंसेवकों की सराहनीय पहल

अनूपपुर, नवभारत। भीषण गर्मी के बीच आमजन, विद्यार्थियों तथा राहगीरों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत महाविद्यालय के मुख्य द्वार के बाहर शीतल पेयजल प्याऊ की व्यवस्था की गई है।

इस मानवीय सेवा कार्य के तहत स्वयंसेवकों ने मिट्टी के मटकों की व्यवस्था कर उन्हें आकर्षक पेंटिंग से सजाया तथा स्वच्छ एवं ठंडे पेयजल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित की। इससे कॉलेज आने-जाने वाले विद्यार्थियों, राहगीरों और स्थानीय नागरिकों को भीषण गर्मी में राहत मिल रही है। एनएसएस इकाई ने केवल मानव सेवा तक ही सीमित न रहते हुए घुमंतू पशुओं और पक्षियों के लिए भी विशेष प्रबंध किए हैं। पशुओं के लिए नाद स्थापित कर उनमें नियमित रूप से स्वच्छ जल भरा जा रहा है, वहीं पक्षियों के लिए सकोरे लगाए गए हैं, ताकि उन्हें भी गर्मी के मौसम में पानी की कमी का सामना न करना पड़े।

पशु-पक्षियों की सेवा भी हमारी संस्कृति का हिस्सा : सक्सेना

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार सक्सेना ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में सेवा, संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करती है। मानव ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों की सेवा भी हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। ऐसे कार्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

एक नजर में

पुष्पराजगढ़ में जगह-जगह लगाए गए नि :शुल्क प्याऊ

अनूपपुर, नवभारत। लगातार बढ़ते तापमान और भीषण गर्मी के बीच राहगीरों को राहत पहुंचाने के लिए पुष्पराजगढ़ क्षेत्र में नि :शुल्क शीतल पेयजल की व्यवस्था की जा रही है। जनहित को ध्यान में रखते हुए प्रशासन एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर प्याऊ संचालित किए जा रहे हैं, जहां लोगों को ठंडा और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। बस स्टैंड, तहसील मुख्यालय, प्रमुख बाजारों तथा अन्य व्यस्त स्थानों पर मटकों में शीतल जल की समुचित व्यवस्था की गई है, ताकि तेज धूप में सफर करने वाले यात्रियों और दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले नागरिकों को राहत मिल सके। प्याऊ केंद्रों के संचालन में स्वच्छता और जल की शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

झुरही तालाब में सफाई और गहरीकरण कार्य तेज

अनूपपुर, नवभारत। जिले में जल स्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के उद्देश्य से चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगरपालिका पसान के वार्ड क्रमांक 1 स्थित झुरही तालाब में सफाई और गहरीकरण कार्य तेजी से जारी है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य तालाब की जल संग्रहण क्षमता बढ़ाना और भू-जल स्तर में सुधार लाना है। प्रशासन द्वारा तालाब से गाद और अतिरिक्त मिट्टी निकालकर गहरीकरण किया जा रहा है, ताकि आगामी मानसून में अधिक से अधिक वर्षा जल का संचय हो सके। इससे न केवल जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि आसपास के क्षेत्रों में जल उपलब्धता भी बेहतर होगी। इसी क्रम में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ स्थानीय नागरिकों ने भी श्रमदान कर तालाब परिसर में फैली गंदगी और कचरे की सफाई की। अधिकारियों ने लोगों को जल संरक्षण का महत्व बताते हुए अपने आसपास के जल स्रोतों को स्वच्छ और सुरक्षित रखने की अपील की।

स्लॉट बुकिंग की समस्या का करें शीघ्र निराकरण

अनूपपुर, नवभारत 29 अप्रैल। रवि उपार्जन के अंतर्गत किसानों को पंजीयन एवं स्लॉट बुकिंग में आ रही गंभीर समस्याओं को लेकर आज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जैतहरी एवं किसान कांग्रेस के पदाधिकारियों ने जिला कलेक्टर अनूपपुर को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समाधान की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समयावधि में किसानों की समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ और उपार्जन खरीदी प्रारंभ नहीं की गई, तो वृहद स्तर पर किसान आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन में बताया गया कि जिले के अनेक किसान रवि उपार्जन के लिए पंजीयन कराने और स्लॉट बुकिंग प्राप्त करने में लगातार परेशान हो रहे हैं। तकनीकी खामियों, प्रशासनिक लापरवाही और उपार्जन केंद्रों की अव्यवस्थित कार्यप्रणाली के कारण किसानों को बार-बार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

कल से महाविद्यालयीन प्रवेश प्रक्रिया होगी शुरू

छात्राएं प्रथम चरण में नि :शुल्क कर सकेंगी पंजीयन

अनूपपुर, नवभारत 29 अप्रैल। उच्च शिक्षा विभाग अंतर्गत प्रदेश के सभी शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों तथा एनसीटीई पाठ्यक्रम संचालित करने वाले कॉलेजों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया 1 मई से 30 जून तक संचालित की जाएगी।

विद्यार्थियों की सुविधा, पारदर्शिता और सरलता को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष भी प्रवेश प्रक्रिया तीन चरणों में आयोजित की जाएगी, जिसमें दो केंद्रीकृत चरण और एक सीएलसी (कॉलेज लेवल काउंसलिंग) चरण शामिल रहेगा। विद्यार्थी घर बैठे मोबाइल ऐप और ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल के माध्यम से पंजीयन कर सकेंगे।

छात्रों के लिए पंजीयन शुल्क 100 रुपये निर्धारित किया गया

इस सत्र की विशेष बात यह है कि विद्यार्थी ऐप के जरिए पहले से पंजीयन प्रारंभ कर सकते हैं, जबकि विकल्प चयन की प्रक्रिया 1 मई से शुरू होगी। उच्च शिक्षा विभाग ने पंजीयन शुल्क को भी विद्यार्थियों के लिए सुलभ बनाया है। एनसीटीई एवं परंपरागत पाठ्यक्रमों के लिए पंजीयन शुल्क 100 रुपये निर्धारित किया गया है, जबकि प्रथम चरण में छात्राओं से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

पोर्टल शुल्क पूरी तरह समाप्त किया गया

द्वितीय चरण से सभी विद्यार्थियों के लिए पंजीयन शुल्क 150 रुपये तय किया गया है। पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी पोर्टल शुल्क पूरी तरह समाप्त किया गया है। जो विद्यार्थी स्वयं पंजीयन नहीं कर पा रहे हैं, उनके लिए प्रदेश के सभी महाविद्यालयों में सहायता केंद्र (हेल्प सेंटर) स्थापित किए गए हैं, जहां नि:शुल्क पंजीयन सुविधा उपलब्ध रहेगी। साथ ही विभाग द्वारा हेल्पलाइन, टोल-फ्री नंबर और हेल्पडेस्क भी शुरू किए गए हैं।

सिकल सेल एनीमिया पर छात्राओं को किया जागरूक

अनूपपुर, नवभारत। प्रणाम नर्मदा युवा संघ द्वारा माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर राजेंद्रग्राम में अध्ययनरत छात्राओं के लिए एक दिवसीय सिकल सेल एनीमिया जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं एवं समुदाय में सिकल सेल एनीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा इस अनुवांशिक बीमारी के प्रति भ्रांतियों को दूर करना था। विदित हो कि सिकल सेल एनीमिया एक अनुवांशिक बीमारी है, जो एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में वंशानुगत रूप से स्थानांतरित होती है। यह एक प्रकार का रक्त विकार है, जिसमें लाल रक्त कोशिकाओं का आकार सामान्य गोल-चपटा न होकर अर्द्धचंद्राकार या हंसिया के आकार का हो जाता है। इसी कारण इसे सिकल अर्थात 'हंसिया रोग' कहा जाता है।

छात्राओं ने उत्सुकता के साथ प्रश्न पूछे

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनातीय विश्वविद्यालय के शोधार्थी एवं सिकल सेल जागरूकता इकाई के प्रमुख नीरज सिंह राठौर ने सत्र का संचालन किया। उन्होंने छात्राओं को सिकल सेल क्या है, यह क्यों होता है, इसके लक्षण, सावधानियां, उपचार तथा इससे जुड़ी भ्रांतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान उपस्थित शिक्षक एवं छात्राओं ने उत्सुकता के साथ प्रश्न पूछे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं की ऐतिहासिक जीत

जमुना कोतमा नवभारत 29 अप्रैल। मध्यप्रदेश की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए एक बड़ी और ऐतिहासिक राहत भरी खबर सामने आई है। उच्च न्यायालय जबलपुर के आदेश के बाद अब राज्य सरकार को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं मिनी कार्यकर्ताओं को वर्ष 2019 से रोका गया मानदेय का हिस्सा पुन: बहाल करते हुए 84 माह का एरियर 6 प्रतिशत ब्याज सहित भुगतान करना होगा। इस फैसले के बाद पूरे प्रदेश की आंगनबाड़ी बहनों में खुशी की लहर दौड़ गई है। मध्यप्रदेश आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका यूनियन एटक की महासचिव कामरेड विभा पांडेय द्वारा उच्च न्यायालय जबलपुर में रिट याचिका दायर की गई थी। इस याचिका में वर्ष 2019 में राज्य सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के मानदेय में की गई कटौती को चुनौती दी गई थी।

लंबे कानूनी संघर्ष के बाद मिली सफलता

लंबे कानूनी संघर्ष के बाद उच्च न्यायालय ने आंगनबाड़ी बहनों के पक्ष में महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुए राज्य सरकार को निर्देशित किया है कि 27 जून 2019 से पूर्व जो मानदेय का हिस्सा दिया जा रहा था, उसे पुन: बहाल किया जाए तथा उक्त अवधि से बकाया राशि एरियर के रूप में ब्याज सहित अदा की जाए।

अवहेलना | बरतराई में कलेक्टर के आदेश की अवहेलना, घुसपैठ से खड़ा हुआ 'नई बस्ती' का जाल, मुआवजे में खेल की आशंका

खदान क्षेत्र में धारा 9 के बाद भी धड़ल्ले से हो रहा निर्माण

जमुना कोतमा, नवभारत 29 अप्रैल। बरतराई भूमिगत खदान क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण और मुआवजा प्रक्रिया के बीच अब एक बड़े फर्जीवाड़े की आशंका ने गंभीर रूप ले लिया है। 28 अप्रैल को हमारे संवाददाता संतोष कुमार चौरसिया द्वारा बरतराई ए-भूमिगत खदान क्षेत्र का स्थल निरीक्षण किया गया, जिसमें चौंकाने वाला खुलासा सामने आया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि जहां एक ओर क्षेत्र में वर्षों पुरानी ग्रामीण बसाहट मौजूद है, वहीं दूसरी ओर बीते कुछ महीनों में अचानक एक 'नई दुनिया' बसती दिखाई दे रही है। ऐसी बसाहट, जो स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार केवल मुआवजा हथियाने की नीयत से खड़ी की गई है।

बड़े-बड़े पक्के मकान खड़े कर दिए गए

जानकारी के अनुसार, कलेक्टर अनूपपुर हर्षल पंचोली द्वारा 2 फरवरी 2026 को ही बरतराई भूमिगत खदान क्षेत्र में धारा 9 लागू कर दी गई थी, जिसके बाद अधिसूचित भूमि पर किसी भी प्रकार के नए निर्माण, क्रय-विक्रय और संरचनात्मक विस्तार पर स्पष्ट रोक प्रभावी हो गई थी। इसके बावजूद मौके पर धड़ल्ले से निर्माण कार्य जारी पाया गया। कहीं बड़े-बड़े पक्के मकान खड़े कर दिए गए हैं, तो कहीं भूसा गोदाम, किराना दुकान, सिलाई सेंटर और छोटे औद्योगिक ढांचे खड़े किए जा रहे हैं

पूरा खेल सुनियोजित तरीके से हो रहा

स्थानीय सूत्रों का आरोप है कि यह पूरा खेल सुनियोजित तरीके से बाहरी लोगों द्वारा रचा गया है। बताया जा रहा है कि रीवा और आसपास के क्षेत्रों से आए कुछ लोगों ने पहले आदिवासी और गरीब किसानों की जमीनें औने-पौने दाम पर खरीदीं, फिर धारा 9 लागू होने के बाद तेजी से निर्माण कराकर मुआवजा दावे को मजबूत करने की कोशिश शुरू कर दी।

पूरे नेटवर्क में कुछ प्रभावशाली लोग संलिप्त है

ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है, बल्कि इससे पहले नौरोजाबाद और अन्य कोयला अधिग्रहण क्षेत्रों में भी इसी तरह के तरीके अपनाए जा चुके हैं। मामले की गंभीरता इस बात से भी बढ़ जाती है कि कथित रूप से इस पूरे नेटवर्क में कुछ प्रभावशाली लोगों की संलिप्तता की चर्चा भी सामने आ रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस खेल में कुछ राजस्वकर्मियों के करीबी, विद्युत विभाग से जुड़े प्रभावशाली लोग तथा अन्य रसूखदार तत्व अप्रत्यक्ष रूप से भूमिका निभा रहे हैं।

फर्जी लोग सरकारी मुआवजा हड़प लेंगे

क्षेत्रवासियों ने कलेक्टर हर्षल पंचोली और जमुना-कोतमा क्षेत्र के महाप्रबंधक प्रभाकर राम त्रिपाठी से मामले में तत्काल निष्पक्ष जांच और कठोर कार्रवाई की मांग की है लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस सुनियोजित मुआवजा खेल पर रोक नहीं लगी, तो वास्तविक भू-स्वामियों और विस्थापित परिवारों के अधिकार प्रभावित हो जाएंगे, जबकि फर्जी निर्माण करने वाले लोग सरकारी मुआवजे का बड़ा हिस्सा हड़प ले जाएंगे

रातोंरात खड़ी कर दी गई नई बस्ती

बरतराई क्षेत्र की मौजूदा स्थिति देखकर यही प्रतीत होता है कि पुराने गांव के समानांतर एक नई बस्ती रातों-रात खड़ी कर दी गई है और वह भी केवल मुआवजा वसूली की मंशा से अब देखना यह है कि प्रशासन इस खुले उल्लंघन पर कितनी तत्परता और निष्पक्षता से कार्रवाई करता है